वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 27 | गुरुवार 22 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विधानेश्वर महादेव मंदिर में देव प्राण प्रतिष्ठा

विधान सभा कर्मियों ने देवनानी को दिया निमंत्रण

जयपुर. कासं। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को बुधवार को प्रातः विधानसभा में विधान सभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने विधान सभा नगर, मानसरोवर स्थित विधानेश्वर महादेव मंदिर के देव प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिये निमंत्रण दिया। देवनानी गुरूवार, 5 जून को मंदिर की महाआरती में शामिल होंगे। समारोह में विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के.शर्मा भी शामिल होंगे। विधानसभा अधिकारी इन्द्रा शर्मा, शिव कुमार शर्मा, के.के.शर्मा, फतहलाल जनवा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण ने बताया कि धौलाई स्थित विधान सभा नगर में स्थापित विधानेश्वर महादेव मंदिर में देव प्राण-प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय समारोह का आयोजन किया जायेगा। रविवार, 1 जून को प्रातः कलश यात्रा, हवन, जलाधिवास के साथ समारोह की शुरूआत होगी। 2 जून को देव अर्चन, 3 जून को हवन, 4 जून को महास्नान तथा 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा के साथ पूर्ण आहूति, महाआरती और प्रसादी होगी।

राज्यपाल ने यूपीएससी परीक्षा में 91 वीं रैंक हासिल करने वाले दिव्यांग मनु गर्ग की सराहना की

राज्यपाल ने बधाई देते हुए उनसे सभी को प्रेरणा लेने का आह्वान किया

जयपुर. कासं। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से बुधवार को राजभवन में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2024 में देशभर में 91 वीं रैंक हासिल करने वाले दृष्टिबाधित मनु गर्ग ने मुलाकात की। राज्यपाल ने मनु गर्ग की सराहना की तथा उनसे सभी को प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि आठवीं कक्षा से ही नेत्र बाधित होने के बावजूद सिविल सर्विसेज परीक्षा में मनु गर्ग ने टॉप 100 में जगह बनाई है। मनु को ब्रेल लिपि नहीं आती परन्तु वह टेक्नो फ्रेंडली है। तकनीक का सहारा लेकर आम छात्र की तरह उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी कर यह सफलता पाई है। राज्यपाल ने उनकी सफलता पर कहा कि, यदि हौसले हो और चुनौतियों से मुकाबला करने की इच्छा शक्ति हो तो कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं होता। मनु दूसरे युवाओं के लिए प्रेरणा है। बागडे ने मनु को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल ने उनके परिजनों को भी बधाई देते हुए उनके सहयोग की भी सराहना की।

एचपीवी और कैंसर को हराने के लिए देशव्यापी अभियान शुरू

जयपुर में हुए कॉन्क्लेव 2025 में विशेषज्ञों ने सर्वाइकल समेत अन्य कैंसर से बचाव के बताए उपाए

जयपुर. कासं

वैक्सीन निर्माता कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने कैंसर के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक देशव्यापी अभियान की शुरूआत की है। इस कड़ी में मंगलवार को जयपुर में ''कॉन्कर एचपीवी एंड कैंसर कॉन्क्लेव 2025'' का आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सा जगत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने एचपीवी वायरस (ह्यूमन पेपिलोमा वायरस) और इससे जुड़े विभिन्न प्रकार के कैंसर, खासकर सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। कॉन्क्लेव के दौरान विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि एचपीवी संक्रमण सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पुरुषों को भी गुदा, लिंग और मुख-ग्रसनी (ओरोफेरिंक्स) जैसे कैंसरों से प्रभावित करता है। ऐसे में युवाओं में इस वायरस की पहचान और समय पर टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है। **आंकड़े चिंताजनक, लेकिन रोकथाम संभव:** आईसीओ/आईएआरसी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल 1.23 लाख से ज्यादा महिलाएं

सर्वाइकल कैंसर की चपेट में आती हैं और लगभग 77,000 मौतें इससे होती हैं। विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि गुदा कैंसर के 90% और लिंग कैंसर के 63% मामले एचपीवी से संबंधित होते हैं। इस अहम कॉन्क्लेव में कई नामी डॉक्टर शामिल हुए, जिनमें डॉ. अपूर्वा टाक अपोलो मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, डॉ. आशीष अग्रवाल-नियोक्लिनिक चिल्ड्रन सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, डॉ. मोहित वोहरा-सशक्त चाइल्ड केयर, सचिव-जयपुर आईएपी, डॉ. अंशु पटोदिया-मीरा हॉस्पिटल, जनरल सेक्रेटरी-ISCCP, राजस्थान, डॉ. वीना आचार्य-राजस्थान हॉस्पिटल, चेयरपर्सन मौजूद रहे। सत्र का संचालन डॉ. जयदीप चौधरी, प्रोफेसर-इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ ने किया। **जन-सहभागिता से मिला अभियान को बल:** कॉन्क्लेव का समापन ओपन डिस्कशन सेशन के साथ हुआ, जिसमें आमंत्रित दर्शकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। विशेषज्ञों ने माता-पिता, किशोरों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं तक यह जानकारी पहुंचाने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि जागरूकता ही बचाव है। सीरम इंस्टिट्यूट ने हाल ही में भारत में विकसित पहली जेंडर न्यूट्रल क्वाड्रिवेलेंट वैक्सीन 'सर्वावैक' को लॉन्च किया है, जिसे महिला और पुरुष दोनों को दिया जा सकता है। यह कदम भारत में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के क्षेत्र में एक बड़ा मील का पत्थर साबित हो रहा है।

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लॉयन क्लब्स की प्रांतीय कॉन्फ्रेंस सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लॉयन क्लब्स के प्रांत 3233 ई-1 का दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन आगरा रोड,भरतपुर के दी ग्रांड बरसों रिसोर्ट एंड बेंक्वेटमें आयोजित हुआ। इस बारे में पूर्व रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लॉयन सुरेन्द्र जैन पांड्या ने बताया कि अधिवेशन की अध्यक्षता प्रांतपाल सुनील अरोड़ा ने की। इस मौके पर की नोट स्पीकर लॉयंस इन्टरनेशल के आईपीडी लॉयन वीके लड़िया, मुख्य अतिथि लॉयन जेपी सिंह, द्वितीय सह प्रांतपाल के चुनाव तटस्थ पर्यवेक्षक पीआईडी लॉयन आर मथनगोपाल, सह प्रांतपाल प्रथम लॉयन सुधार बाजपेयी, सह प्रांतपाल द्वितीय लॉयन आशुतोष वशिष्ठ एवं विभिन्न लॉयंस क्लब्स के लगभग 1100 लॉयन सदस्य उपस्थित थे। इस दौरान अधिवेशन में

लॉयंस क्लब जयपुर मेट्रो की ओर से पीएमसीसी लॉयन गोविंद शर्मा, पीडीजी लॉयन डॉ. जीएस गर्ग, अध्यक्ष लॉयन अनिल जैन आईपीएस, सचिव लॉयन विमल गोलछा, कोषाध्यक्ष लॉयन अनिल जैन, लॉयन नेमि पाटनी, लॉयन विद्यासागर गीदड़ा, लॉयन सुरेन्द्र डिग्गीवाल लॉयन सी के बाफना, लॉयन रमेश सेठी, लॉयन अनिल माथुर, लॉयन सुनील रावत एवं लॉयन पूनम गर्ग उपस्थित रहे।

विश्व संग्रहालय दिवस पर जबलपुर में धरोहर विषय पर हुआ व्याख्यान

' जैन संग्रहालय ' पुस्तक हुई वितरित

रत्नेश जैन रागी बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

जबलपुर। विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर रानी दुर्गावती संग्रहालय जबलपुर की लाइब्रेरी हेतु निर्ग्रंथ सेंटर आफ आर्कियोलॉजी एवं श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ संरक्षणी महासभा की ओर से डॉ. यतीश जैन, डॉ. लक्ष्मी चंद जैन , प्रोफेसर दीपिका जैन, श्री विकास जैन के द्वारा कुंदकुंद ज्ञानपीठ इंदौर से डॉ. अरविन्द कुमार जैन द्वारा लिखित एवं डॉ. सुधा मलैया द्वारा सम्पादित जैन संग्रहालय जयसिंहपुरा पर प्रकाशित पुस्तक जैन संग्रहालय पुस्तक भेट स्वरूप डॉ. शिवकांत बाजपेई, आर्कियोलॉजिकल सुपरीटेंडेंट, आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया जबलपुर सर्कल एवं रानी दुर्गावती संग्रहालय के संयुक्त संचालक श्री के. एल. डाबी जी को भेंट स्वरूप दी गई। इस अवसर पर शासकीय रानी दुर्गावती संग्रहालय, जबलपुर में धरोहर विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया जिसमें विश्व संग्रहालय दिवस उसको विश्व भर में मनाए जाने का हेतु, इसकी उपादेयता, इसका संरक्षण कैसे कर सकते हैं कौन-कौन सी वैज्ञानिक विधियों है एवं आम नागरिक किस तरह से अपना योगदान दे सकता है उक्त विषय पर डॉ. यतीश जैन सहित अनेक विद्वानों व अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

रिपोर्ट: वरिष्ठ पत्रकार
राजेश रागी रत्नेश जैन बकस्वाहा

अभियान सिन्दूर अधूरा है...

इंजी. अरुण कुमार जैन

आतंक गढों को ध्वस्त किया व सैन्य चौकियां मिटवा दीं,
मारे सैकड़ों आतंकी, जड़ें समूल उखड़वा दीं.
एयर बेस कर धूल धूसरित,
पापी का दम्भ मिटा डाला,
चीनी व तुर्की ताकत को,
तुमने परनाले में डाला.
***
सिन्दूर उजाड़ा दुश्मन ने, आँसू से आँखें भर डालीं,
अवसाद घना था, रोम रोम,
परछाई गम की थी काली.
सिन्दूर अभियान अधूरा है, उसको पूरा करना होगा,
दहशतगर्दी के पोषक जो,
उनका विनाश करना होगा.
***
उनकी कल के जो जो फल हैं, बहिष्कार करें उनका मिलकर,
कपड़े, मशीन,मोबाइल, फल, का त्याग करें हम सब मिलकर.
रंगीन खिलौने चमकीले,
ए.आई.या वह कुछ भी हों,
हैं निकृष्ट,त्याज्य व जहर भरे
चाहे अमृत के प्याले हों.
**
वन्दनीय अनुपम व श्रेष्ठ है,
हम सब को अपनी माता,
उसके उत्पादन विश्व वंद्य,
यश, प्रगति, सुखद कल के दाता.
बस भारतीय हों हर घर में,
त्याज्य सभी हो दुश्मन का,
पाकिस्तानी, बांग्लादेशी, तुर्की, चीनी गठबंधन का.
***
ठप्प करो उत्पादन उनका,
अपना धन देना बंद करो,
डेढ़सौ करोड़ भारतवासी,
अब सब मिल स्वर बुलंद करो.
गिड़गिड़ाकर वे रोयेंगे,
औकात पता चल जायगी,
मोहताज हों कौड़ी कौड़ी को, सच्चाई समझ तब आएगी.
***
अभियान सफल तब ही होगा, जब ये सिंदूर संभालेंगे.
हर आंतकी को चुन चुन कर, ये सब गोली से मारेंगे.

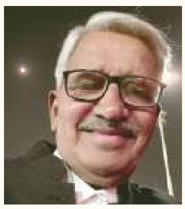

संपर्क//अमृता हॉस्पिटल, सेक्टर 88,फरीदाबाद, हरियाणा. मो. 7999469175

जीव दया पर्यावरण सेवा हीं सच्ची सेवा

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

आओ अपना फर्ज निभाएं प्रकृति का कुछ कर्ज चुकाये इसी भावना के तहत महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी सबकी सेवा सबको प्यार जल ही जीवन है मिशन के तहत आज दिनांक 21=5=2025 बुधवार को गोयल परिवार के सहयोग से एक टेंकर से 40 बिलिया पशुओं के लिए पानी पीने के लिए भराए गए और पक्षियों के लिए शाकंभरी गेट से शाकंभरी मंदिर तक 5 नये परिंडे लगाकर 51 परीडे लगाने का लक्ष्य पूरा किया गया पानी के भरे गए व दाने की व्यवस्था करते वीर रामावतार गोयल, वीर रतन लाल मेघवाल एवं भावीन गर्ग अजमेर वाले ने सहयोग किया और संस्था द्वारा लगाए गए पेड़ पौधों की सार संभाल की गई। इसी के साथ समरिया सागर बालाजी गौशाला सीकर रोड पर में गगंवाल परिवार द्वारा गायों को हरा चारा खिलाते वीर सुरेश कुमार जी गंगवाल वीर रामावतार गोयल निकिता प्रिंशा नैवेध गंगवाल रीना, शुभा दगडा किशनगढ़ तृप्ति, अविशी पाटनी सुरत शुभा, मानस जैन जयपुर ने गौमाता रिजका खीलाकर जीवदया सेवा की गई। शाकम्भरी माताजी मन्दिर रोड पर संस्था द्वारा 2021 से जीवदया और पेड़ पौधे लगाने का सेवा कार्य किए जा रहे हैं। संस्था समय-समय पर परिण्डे लगाकर, दाना डालकर, प्रजजन हेतु धोंसले लगाकर पेड़ पौधे लगाकर जीवदया सेवा कार्य किए जा रहे है एंव पशु पक्षीयो जीव जन्तुओ के पीने के लिए पानी के बिल्लिया भरवाए जाते है इस सेवा में सभी का सहयोग रहता हे वीर सुभाष पहाडिया ने सभी सहयोग कर्ता के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

-वीर अजित पहाडिया

जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी द्वारा अनाथालय मे वात्सल्य भोज करवाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजीआईएफ नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में जेएसजी राजधानी के संस्थापक अध्यक्ष सुनील - आरती पहाड़िया के सहयोग से उनके पिताजी स्व. श्री कंवरीलाल जी की पुण्य तिथि पर नयासवेरा अनाथालय, निर्माण नगर पर वहां रह रहे बच्चो को वात्सल्य भोजन करवाया गया। दिलीप-नमीता जैन टकसाली, अध्यक्ष ने बताया कि इस पुनीत कार्य मे सुनील आरती पहाड़िया,कमल सुमन सेठी,सरोज गंगवाल, प्रकाश ढूंढिया, प्रकाश अजमेरा, पवन पाटनी, कमल लुहाड़िया,राजेंद्र जयश्री पाटनी जी,सोनू डाकुडा, राकेश संघी ने उपस्थित होकर पुण्यार्जन प्राप्त किया।

आचार्य वसुनंदी महाराज से सामाजिक ज्वलन्त समस्याओं पर हुई व्यापक चर्चा

गुड़गांव. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान के प्रतिनिधिमंडल का सोमवार को गुड़गांव हरियाणा में परम पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनंदी महाराज से वर्तमान में उत्पन्न हो रहे ज्वलंत सामाजिक समस्याओं पर व्यापक चर्चा हुई। वार्ता के दौरान आचार्य श्री ने बताया कि छोटे परिवार, विजातीय विवाह आदि के कारण आज जैन धर्म के अनुयाइयों की संख्या निरंतर घट रही है। यह आने वाले समय के लिए एक विचारणीय मुद्दा है। धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या के अनुसार प्रतिनिधि मण्डल में संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के साथ संरक्षक ज्ञान चंद जैन बस्सी वाले, कोषाध्यक्ष पंकज जैन लुहाड़िया आदि के अलावा स्थानीय सदस्य उपस्थित रहे। आचार्य श्री वसुनंदी महाराज ने कहा कि जनसंख्या विभाग के आंकड़ों व वास्तव में जैन जनसंख्या में बहुत अंतर है , जिसका मुख्य कारण नाम के आगे अधिकतर लोगों का जैन शब्द का प्रयोग न होकर गोत्र शब्द का प्रयोग होना तथा जनगणना के दौरान धर्म के कालम में जैन नहीं लिखा जाना है। अब होने वाली जातिगत जनगणना में हमें अपने धर्म के कॉलम में जैन ही लिखना है।

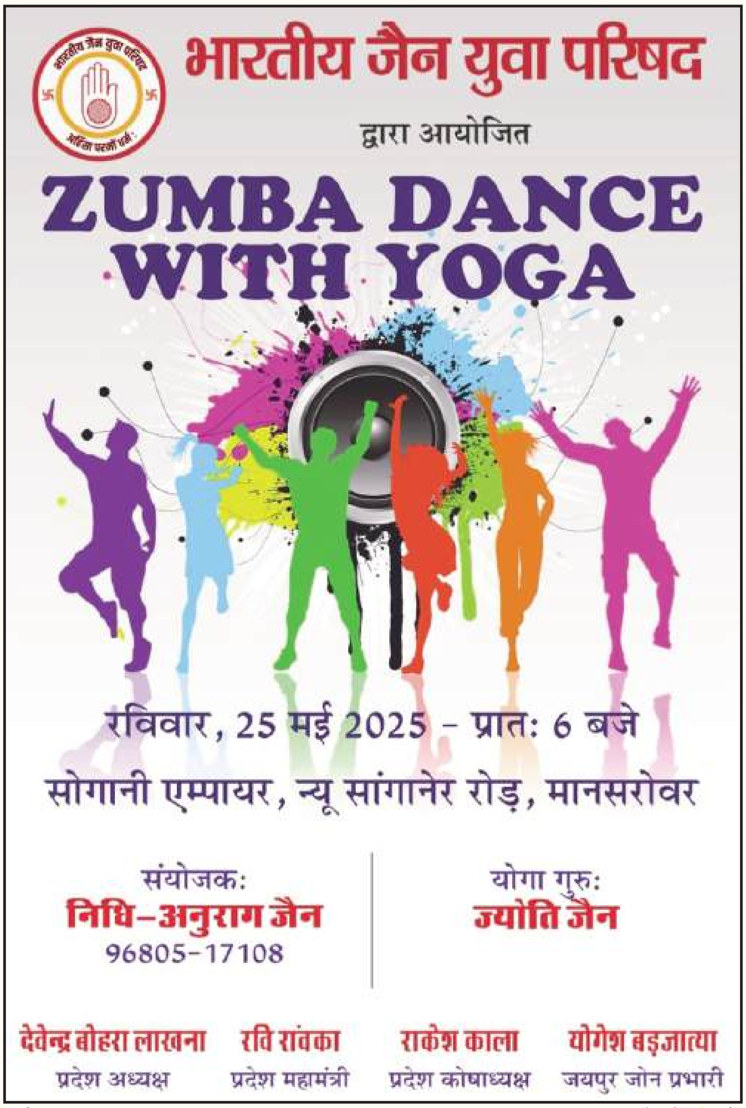

वेद ज्ञान

अज्ञान घातक शत्रु

अज्ञान आपका घातक शत्रु है, जबकि ज्ञान हितैषी मित्र। ज्ञान जीवन के लिए आशा, उमंग, प्रेरणा, उत्साह व आनंद के इतने गवाक्ष खोल देता है कि जीवन का क्षण-क्षण ईश्वर का अनमोल उपहार प्रतीत होता है। एक सृजनशील क्षण आपको प्रतिष्ठा के उत्तुंग शिखर पर प्रतिस्थापित कर सकता है, जबकि कुविचार की अवस्था में क्षण भर का निर्णय आपको निकृष्टता की गर्त में धकेलकर जन्म-जन्मांतरों के लिए आपको लांछित व कलंकित करने के लिए पर्याप्त है। अज्ञान हमें निराशा और पतन की ओर ले जाता है, जबकि ज्ञान आात्मिक उन्नति का पर्याय बन जीवन समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नयन की आधारशिला भी बनाता है। जीवन में यत्र-तत्र-सर्वत्र आनंद व सृजन का सौरभ प्रवाहित करता रहता है। चाणक्य ने कहा है कि अज्ञान के समान दूसरा कोई शत्रु नहीं है। अज्ञान के अंधकार में ज्ञान रूपी प्रकाश के अभाव में भविष्य रूपी भाग्य की राहें अदृष्ट हो जाती हैं और मनुष्य असहाय होकर अपने कर्म व चिंतन की दहलीज पर ही ठोकरें खाने को विवश होता है। मंजिल व लक्ष्य पास होने पर भी वह उसे न पाने के लिए अभिशप्त होता है। फिर वह अपनी ही सोच व कर्म के चक्रव्यूह में फंसकर भय से प्रकंपित होता रहता है। कनफ्यूशियस का मानना है कि अज्ञान मन की निशा है, किंतु वह निशा, जिसमें न तो चंद्र है और न ही नक्षत्र। ज्ञान मनुष्य को तृप्ति, संतोष, आनंद, शांति व निर्भयता का दान देता है, जबकि अज्ञान अतृप्ति, असंतोष, अशांति व भय का उपहार देता है। प्रसिद्ध विचारक ए. होम का मत है कि अज्ञान भय की जननी है। वास्तव में सभी अपराध, विध्वंस, कुकृत्य और अनैतिक कार्य अज्ञान से प्रेरित होकर ही किए जाते हैं। चोर अज्ञानता में ही चोरी का अनैतिक कार्य करता है। वह उसे जीवन का चरम और परम व्यवसाय लगता है, किंतु ज्ञान व बोध हो जाने पर उसके आगोश में बिताए गए क्षणों के प्रति पश्चाताप का भाव उत्पन्न होता है। शेक्सपियर ने अज्ञान को अंधकार कहा है, जिसमें मनुष्य घुटने के लिए विवश होता है। अज्ञानता दूसरे अर्थों में अनपढ़ता ही है, जिसके रहते समग्र जीवन में अंधकार, नैराश्य व भय व्याप्त रहता है। सकारात्मकता की छाया भी दृष्टिगत नहीं होती। ऐसा निरुद्देश्यपूर्ण जीवन भला किस अर्थ का?

संपादकीय

लक्ष्य तक नहीं पहुंच पा रही सरकारी योजनाएं...

यह स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाती। भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इस योजना की शुरूआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ दिन रोजगार मिल सकेगा और उन्हें अपने भरण- पोषण के लिए किसी दूसरी योजना का मुखापेक्षी नहीं रहना पड़ेगा। मगर शुरूआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाम दर्ज कर काम देने की बड़ी चालबाजियां सामने आई थीं। उसे रोकने के कई उपाय किए गए, पर इस पर पूरी तरह विराम नहीं लग सका। इस योजना को बंद करने या इसका स्वरूप बदलने का फैसला इसलिए नहीं किया जा सका कि संविधान में इसकी गारंटी दी गई है। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का ताना-बाना संबंधित महकमों में ही बुना जाता है। इसका ताजा उदाहरण गुजरात में मनरेगा के तहत फर्जी तरीके से कार्य निष्पादन के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की रकम भुना लेने का है। पुलिस ने इस मामले में अब तक ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें सड़क, बांध, पुलिया आदि निर्माण के लिए सामग्री मुहैया कराने का ठेका दिया गया था। इस घोटाले ने इसलिए तूल पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया है कि इसमें वहां के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार किया गया है। उनकी एजेंसियां भी मनरेगा परियोजनाओं में शामिल थीं। उन्होंने कार्यों का निष्पादन किए बगैर फर्जी दस्तावेज जमा कर भुगतान प्राप्त कर लिया। मनरेगा की जिन परियोजनाओं में उन्होंने घोटाला किया, वे वहां के आदिवासी इलाकों में चलाई जा रही थीं इसके अलावा, फिलहाल जांच में पैंतीस ऐसी एजेंसियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जिन्होंने 2021 से 2024 के बीच सरकारी अधिकारियों से मिलीभगत करके जाली दस्तावेजों के आधार पर इकहत्तर करोड़ रुपए का भुगतान प्राप्त कर लिया। अभी तक जिला ग्रामीण विकास एजेंसी यानी डीआरडीए की जांच में सामने आए एक जिले के तथ्यों के आधार पर ये गिरफ्तारियां हुई हैं। इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि पूरे राज्य में इस योजना के तहत कितने बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ होगा। उन आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है, जिनके लिए ये परियोजनाएं चलाई तो गई थीं, पर वे केवल कागजों में दर्ज होकर रह गई। आमतौर पर गरीबों के लिए चलाई जाने वाली योजनाएं और कार्यक्रम जमीन पर कम ही उतर पाते हैं। दिखाने के लिए जो कुछ काम होते भी हैं, उनकी गुणवत्ता सदा संदिग्ध रहती है। उनमें इस्तेमाल सामग्री और कामकाज की गुणवत्ता इस कदर खराब होती है कि सड़कें, पुल- पुलिया वगैरह पहली ही बारिश में धुल कर साफ हो जातें ग्रामीण विकास के नाम पर अनेक योजनाएं चलाई जाती हैं, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की तरफ से, मगर वास्तव में उनसे गांवों का चेहरा कितना बदला है, कहना मुश्किल है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कानून की संवैधानिकता

संशोधित वक्फ कानून पर सुनवाई के समय इस कानून को असंवैधानिक, मनमाना साबित करने और उस पर अंतरिम रोक लगाने पर जोर देने वाली दलीलों पर सुप्रीम कोर्ट का इस निष्कर्ष पर पहुंचना संतोषजनक है कि संसद से पारित कानून संवैधानिकता की धारणा पर टिके होते हैं और जब तक इसका ठोस आधार न हो कि ऐसा नहीं है, तब तक अंतरिम राहत देना ठीक नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि अंतरिम राहत पाने के लिए बहुत ठोस और स्पष्ट आधार पेश करना होता है। पता नहीं कि वक्फ कानून को असंवैधानिक बता रहा पक्ष ऐसे ठोस एवं स्पष्ट आधार पेश कर सकेगा या नहीं, लेकिन वह साफ दिख रहा है कि उसकी कोशिश वेन-केन प्रकारेण इस कानून को सिरे से खारिज कराने की है। इसका संकेत इससे मिला कि वक्फ कानून को अनुचित, असंवैधानिक बताने के लिए ऐसी भी दलीलें दी गईं, जिनका कोई औचित्य नहीं बनता। इसके अतिरिक्त उन विषयों से इतर भी जाने की कोशिश की गई, जिन्हें सुनवाई के लिए तय किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने विचार के लिए जो तीन बिंदु चुने हैं, वे हैं वक्फ संपत्तियों को गैर अधिसूचित करने की प्रक्रिया, वक्फ बोडों एवं केंद्रीय वक्फ परिषद में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति और सरकारी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में वर्गीकृत करना। इन तीन बिंदुओं पर केंद्र सरकार पहले ही यह आश्वासन दे चुकी है कि इन पर बधास्थिति बनी रहेगी । कहना कठिन है कि वक्फ कानून की संवैधानिकता पर विचार कर रहा सुप्रीम कोर्ट किस नतीजे पर पहुंचेगा, लेकिन यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि किसी कानून पर कोई निर्णय उसकी संवैधानिकता की पूरी परख करके ही दिया जाना चाहिए। वैसा कदापि नहीं होना चाहिए, जैसा तीन कृषि कानूनों के मामले में हुआ था। इन कानूनों की संवैधानिकता की परख किए बिना ही उनके अमल पर रोक लगाकर

सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून के विरोधियों को यही संदेश दिया था कि वे सही हैं। इसी कारण कृषि कानून विरोधी आंदोलन लंबा खिंचा और अंततः सरकार को न चाहते हुए भी उन्हें वापस लेने का दुर्भाग्यपूर्ण फैसला करना पड़ा। विश्व का कोई कानून ऐसा नहीं होता, जिसे परिपूर्ण कहा जा सके। यदि किसी कानून में कोई कमी झ विसंगति हो तो उसे दूर किया जाना चाहिए, न कि पूरे कानून को ही खारिज कर दिया जाना चाहिए। संशोधित वक्फ कानून के विरोधी कुछ भी दावा और दुष्प्रचार करें, पुराना कानून खामियों से भरा ही नहीं, वक्फ बोर्डों को मनमाने एवं दमनकारी अधिकार देने वाला भी था। इसके न जाने कितने ऐसे हैरान करने वाले प्रमाण और पीड़ित लोग बीते तीन-चार महीनों में ही सामने आए, जिनकी अनदेखी संसद में बहस के दौरान विपक्षी नेता भी नहीं कर सके।

पश्चिम बंगाल के शिक्षण शिविरों का समापन, झारखंड में 19 मई से प्रारंभ

शिविरों के आयोजनों से बच्चों में आएंगे धर्म के संस्कार आर्यिका सुज्ञानमति

खूटी. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज के जन्म दिवस के पावन अवसर पर पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा के सराक क्षेत्र में आचार्य श्री ज्ञेय सागर जी,आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी, आर्यिका श्री आर्ष मति माताजी, आर्यिका श्री सुज्ञान मति माताजी के आशीर्वाद से ब्र. मंजुला दीदी, ब्र. मनीष भैया के निर्देशन में भारतवर्षीय सराक ट्रस्ट के तत्वावधान में पुरुलिया जिला में चल रहे शिक्षण शिविरों का समापन 18 मई को संपन्न हुआ। शिविर समापन में जूम चैनल के माध्यम से मुनि श्री नियोग सागर जी महाराज, आर्यिका श्री सुज्ञान मति का मंगल सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का मंगलाचरण रामदुलार जैन सराक ने किया चित्रावरण, दीपप्रज्वलन उपस्थित विद्वत श्री पंडित जयकुमार दुर्ग, राजकुमार शास्त्री कर्द, पं. रीतेन्द्र जैन ने किया। एवं सामूहिक मंगरचारण विदुषी श्रीमती स्नेहा जैन,सपना जैन और साधिका जैन ने किया। सभी उपस्थित विद्वानों का सम्मान गौरांग जैन, रामदुलार जैन द्वारा किया गया। शिविर स्थानों में धनियाडांगा, बेड़ों, सुंदराबान, भागांवान, लायकड़ागा, पांच पहाड़ी, लाली,कोतूमा स्थान पर शिक्षण शिविरों द्वारा धर्म प्रभावना हुई। जिसका सामूहिक समापन समारोह, जिसमें प्रथम द्वितीय द्वितीय स्थान प्राप्त शिवराथियों के लिए पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए एवं जिन्होंने मेहंदी सिलाई पेंटिंग में अपना स्थान प्राप्त किया है उनका भी सम्मान किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी एवं समापन के अवसर पर मिष्ठान वितरण किया गया। शिवराथियों ने अपने विचार व्यक्त किये। अंत में आर्यिका श्री सुज्ञानमती माताजी ने आशीष वचन में कहा कि सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज की प्रेरणा से विगत वर्षों से चल रहे शिक्षण शिविरों के द्वारा बच्चों में संस्कार आते हैं, इन शिविरों का आयोजन हमेशा होना चाहिए। मुनि श्री नियोग सागर जी महाराज ने आशीष वचन में कहां की अगर हमें ज्ञान प्राप्त करना है तो हमें कुछ सीखना और जानना होगा। इसके लिए कम समय में आयोजित होने वाले शिक्षण शिविरों में भाग लेकर कम समय का सदुपयोग कर जीवन में ज्ञानार्जन करें। शिविर मुख्य संयोजक मनीष विद्यार्थी ने अपने कहां की इस भीषण गर्मी के समय में विद्वानों द्वारा समय निकालकर सराक क्षेत्र आना, वहां शिविर लगाना और अपने अनुकूल परिस्थितियों का ना होकर शिविरों का संचालन करना बड़ा कठिन कार्य है फिर भी यहां आकर बच्चों को धार्मिक शिक्षा देकर जैन धर्म की प्रभावना करना बड़ा ही सराहनीय कार्य है। इसके बाद 19 मई से खूटी जिले झारखंड के विभिन्न स्थानों पर ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविरों का शुभारंभ हुआ। जिसमें खूटी दिगंबर जैन समाज द्वारा विद्वानों की अवास व्यवस्था की गई, समाज के अध्यक्ष शिखरचंद जैन शिविर किट का विमोचन कर शिविरों का शुभारंभ किया। शिविर व्यवस्थाओं के लिए अनुज जैन सराक भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल झारखंड उड़ीसा के विभिन्न स्थानों पर धार्मिक शिक्षण शिविर एवं शाकाहार के लिए किया जा रहा कार्य से भारतीय संस्कृति को पुनः जीवन्त करने में सहभागिता करे।

मनीष जैन विद्यार्थी सागर,
शिविर मुख्य संयोजक

राष्ट्रपति के सानिध्य में डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव द्वारा प्रस्तुत 'जैन श्रुतवंदना' के मंगलाचरण से ज्ञानपीठ समारोह का हुआ शुभारंभ

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

विज्ञान भवन में ज्ञानपीठ पुरस्कार समारोह में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने संस्कृत के महान विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी को 58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया। राष्ट्रपति महोदया ने प्रसिद्ध कवि गुलजार जी को भी ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए परोक्ष रूप से बधाई दी जो 'जैन श्रुतदेवी' (सरस्वती) की कांस्य प्रतिकृति ज्ञानपीठ पुरस्कार में भेंट की जाती है, जैनदर्शन के अनुसार उन्हीं के स्वरूप का वर्णन करते हुए डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव ने ज्ञानपीठ समारोह का शुभारंभ प्राकृत अपभ्रंश भाषा में निबद्ध जैन श्रुतदेवी की स्तुति का भावार्थ सहित सस्वर वाचन करते हुए किया। ज्ञातव्य है कि डॉ. इन्दु जैन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में विशेषज्ञ सलाहकार सदस्य,राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय जैन प्रतिनिधि हैं साथ ही उन्हें भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, सांसद, मुख्यमंत्री आदि देश की विभूतियों के सानिध्य में संचालन, मंगलाचरण, विचार अभिव्यक्ति आदि करने का निरन्तर अवसर मिलता रहता है। विज्ञान भवन में राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्य समाज को जोड़ने और जागरूक करने का कार्य करता है। उन्होंने भारतीय साहित्य की समृद्ध परंपरा की सराहना की। राष्ट्रपति महोदया ने भारतीय ज्ञानपीठ ट्रस्ट की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था 1965 से विभिन्न भारतीय भाषाओं के श्रेष्ठ साहित्यकारों को सम्मानित कर रही है और भारतीय भाषाओं की गरिमा को सशक्त बना रही है। कार्यक्रम में ज्ञानपीठ प्रवर परिषद की अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा राय, ज्ञानपीठ के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विजेन्द्र जैन, प्रबंध न्यासी साहू अखिलेश जैन,के. एल. जैन, डॉ.प्रभाकिरण जैन सहित साहित्य, कला और शिक्षा जगत की कई विशिष्ट हस्तियां उपस्थित रहीं।

जयदु श्रुत देवता

श्री मुनिसुव्रतनाथ जिनेन्द्राय नमः

श्रुत देवता जयवंत रहें

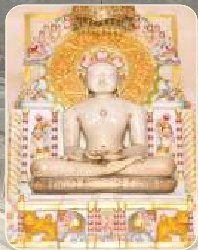

अति प्राचीन श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र हस्तेड़ा (चौमू) जयपुर

जिनवाणी स्थापना महोत्सव

जीर्णोद्धार से पूर्व जिनवाणी

शुभ तिथि :- श्रुत पंचमी 31 मई, शनिवार 2025

जीर्णोद्धार के उपरान्त जिनवाणी

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, हस्तेड़ा, चोमू (जयपुर)

इतिहास पुरोवाक

राजस्थान की पुण्य भूमि, मौन्दर्य की मनोहारी छटा में, प्राचीन सरस्वती नदी की सहायक नदी के किनारे स्थित यह अतिशय क्षेत्र भारत के जैन इतिहास का एक अद्भुत और जीवंत प्रतीक है।

यहाँ मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान की प्रतिमा, जो संवत 1209 (सन 1153 ई.) में आचार्य श्रीयुत स्वामी द्वारा प्रतिष्ठित की गई, जो आज भी नित्य प्रक्षाल और पूजन के साथ विराजमान है। प्रतिष्ठा शिलालेख के अनुसार उस समय 13 पिच्छिका संघ की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही।

मंदिर के शिलालेख और स्थापत्य को देखकर यह स्पष्ट होता है कि यह मंदिर प्राचीन से भी अतिप्राचीन है, और यह विश्व की दूसरी प्राचीनतम मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा मानी जाती है।

यहाँ भगवान संभवनाथ की प्रतिमा संवत 1400 में प्रतिष्ठित हुई, जो मूलनायक के दाहिनी ओर विराजमान है। मंदिर में कुल 15 अन्य प्राचीन प्रतिमाएँ विक्रम संवत 1721-1933 के बीच प्रतिष्ठित हुई, जो इसकी लंबे समय तक चली मनोरथ सिद्धि की परंपरा को दर्शाती हैं।

विशेष धरोहरें

:- 19 अष्टधातु की प्रतिमाएँ (संवत 1880झ्र1926), जिनकी प्रशस्तियाँ अब भी संरक्षित हैं।

:- 9 अत्यंत प्राचीन धातु यंत्र।

:- जीर्णोद्धार में प्राप्त 2 शिलालेख, जिनमें हर 25 वर्षो में महा मस्तकाभिषेक के आयोजन का उल्लेख मिलता है। यहाँ के शास्त्र भण्डार में सबसे प्राचीन जैन ज्योतिष की पांडुलिपि है। इसमें हस्तलिखित अनेक चित्रित पांडुलिपियाँ है। जैन शास्त्रों में मुख्यतः तत्त्वार्थ सूत्र ,नीलकंठ ज्योतिष धर्म परीक्षा, बनारसी विलास,भक्तामर स्तोत्र ,चरित्रसार , रत्नकरंडक श्रावकाधार, भक्तभंजन कल्पद्रुम स्त्रोत प्रमुख हैं।

स्थापत्य और कला

मंदिर का उत्तुंग शिखर गुम्बदाकार है, जिसमें मुगल स्थापत्य कला की झलक मिलती है, जबकि भीतर राजपूत और गुर्जर प्रतिहार शैली का अद्भुत संगम दिखाई देता है। मुख्य द्वार और वेदियों पर तक्षण कला के साक्ष्य अब भी शेष हैं।

साहित्यिक और ऐतिहासिक धरोहर

जीर्णोद्धार के दौरान अनेक प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियाँ प्राप्त हुई, जिनके संरक्षण और शोध से इस क्षेत्र का इतिहास और समृद्ध किया जा सकता है।यह सभी पाण्डुलिपियाँ अब नव निर्मित जिनवाणी वेदी में स्थापित होने जा रही है

सामाजिक और धार्मिक महत्व

यह क्षेत्र प्राचीन काल में पंचायती मंदिर के रूप में प्रसिद्ध था, जहाँ दीन के दयाल जी कर दो निहाल जी का जयकारा गूंजता था। यहाँ के अतिशय और दिव्य अनुभूतियाँ आज भी श्रद्धालुओं को अद्भुत शांति और शुद्धता का अनुभव कराती हैं।

जीर्णोद्धार और संरक्षण

पिछले सौ वर्षो में उपेक्षित रहे इस क्षेत्र का हाल का जीर्णोद्धार वास्तु दोष निवारण सहित किया गया है, जिससे यह फिर से अपने ऐतिहासिक गौरव को प्राप्त कर रहा है।

#BPBMEDIA_AGRA_8899344441

तब

अब

अति प्राचीन श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र हस्तेड़ा में जीर्णोद्धार के समय प्राप्त अति प्राचीन पवित्र ग्रंथों का संरक्षण, संवर्धन और जीर्णोद्धार का दुर्लभ कार्य सानंद संपन्न हो गया है। इन पवित्र ग्रंथों को नवनिर्मित आगम- परमागम मंदिर में स्थापना का आनंद मय उत्सव श्रुत पंचमी के दिन डॉ अशोक जैन शास्त्री, दिल्ली के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम

31 मई, शनिवार 2025

प्रातः 7:00 बजे श्री जी अभिषेक एवं शांतिधारा

प्रातः 8:00 से 10:30 बजे तक पूजन तथा श्रुतपंचमी पूजन विधान

प्रातः- 10:30 बजे आगम-परमागम मंदिर जी में जिनवाणी स्थापना का महोत्सव

प्रातः- 11:15 बजे वात्सल्य भोजन

निवेदक :- प्रबन्धन कमिटी

अति प्राचीन मुनिसुव्रत नाथ अतिशय क्षेत्र हस्तेड़ा

संपर्क सूत्र : 09588020330, 90012 55955, 09811080808, 09784857991,

प्राकृत विद्या शिक्षण शिविरों का हुआ समापन समारोह

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

11मई से 18 मई तक संचालित शिविरों का विधिवत समापन समारोह आयोजित हुआ । प्राकृत भाषा की लोकप्रियता को समझते हुए पुनः श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अहिंसा स्थली टीकमगढ़ में शिविर 19 मई से आयोजित हैं। भारत भाषाओं का समृद्ध देश है। जहां भाषाओं की विविधता शब्दों के मधुर अर्थ और ध्वनियों को देने वाली है जिस प्रकार से प्रत्येक कार्य का मुख्य होता है वैसे ही प्रत्येक ध्वनि का मुख होता है। प्रत्येक जीवन का मुख होता है। प्रत्येक मार्ग का प्रवेश द्वार होता है वैसे ही भाषाओं का कोई ना कोई मुख्य द्वार जरूर होना चाहिए । मुख्य द्वार वही है जो सहज हो जो स्वयमेव निसृत हो । जिसके लिए सीखना ना पड़े । स्वयं में भी सीख कर बोलना समझना प्रारंभ कर दे । इन्हीं ध्वनियों की सहज रूप से बोलियां निकली है । इन्हीं बोलियां में प्राकृत नाम की एक क्षेत्रीय बोली है, जो अपने विस्तृत रूप में है। प्राकृत में बोली से आगे बढ़कर भाषा का रूप लिया है। प्राकृत ने बड़ी सहजता रखी। विभिन्न प्रांतो और क्षेत्रों की ध्वनियों को सम्मिलित करते हुए शौरसेनी अर्ध मागधी मागधी पैशाची आदि में विस्तार किया। इन सभी में साहित्य की खूब रचना हुई। यही कारण है कि प्राकृत भाषा भारत की नसों में बह रही है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतवर्ष के विभिन्न अंचलों में प्राकृत भाषा के शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। प्राकृत भाषा के उत्थान संवर्धन और संरक्षण के लिए इन शिविरों की उपयोगिता शिवराथियों ने अपने अनुभव में बहुत ही अच्छे ढंग से प्रस्तुत की और भाषा को सीखने में अपनी रुचि को भी सभी के सामने व्यक्त किया। ऐसे शिवरों का आयोजन निरंतर होते रहना चाहिए इस बात की भी उन्होंने पुष्टि की। राष्ट्रीय संयोजक डॉ आशीष आचार्य शाहगढ़ ने शिविरों की रुपरेखा के साथ डॉ सोनल शास्त्री अरुण ममता शैलेश आदि के साथ शिविरों में महत्वपूर्ण भूमिका ब्रह्मचारी संजय सुखदा राजेश भुट्टों दिनेश अल्ली संतोष अहिंसा मोना जैन किरण जैन अंचल जैन डॉक्टर नरेंद्र जैन डां दीपिका जैन धर्मेंद्र जैन सुरेश कुमार जैन प्राचार्य संजय सुविद्या विकास जैन राजकुमार जैन डॉ राजेन्द्र, अभिलाषा, धीरेन्द्र, शिखर, अखिलेश डॉ दिलीप, अशोक आदि सभी की रही। क्षेत्रीय संयोजक डां निर्मल शास्त्री ने सभी का हदय से आभार व्यक्त किया और इस संकल्प के साथ कि प्राकृत भाषा विकास में ऐसे शिविरों का आयोजन वर्ष में दो बार होगा।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का पुष्पगिरी में हुआ आचार्य पुष्पदंत सागर जी महाराज से वात्सल्य मिलन

पुष्पगिरी. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ का मंगल विहार भोपाल की ओर चल रहा है। इस क्रम में 21 मई को माताजी ससंघ का मंगल प्रवेश पुष्पगिरी तीर्थ क्षेत्र पर हुआ। जहां माताजी ससंघ का आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज से वात्सल्य मिलन हुआ। उपस्थित जनसमूह ससंघ का वात्सल्य मिलन देखकर गदगद हो गए सभी ने जयकारों के साथ ससंघ की चरण वंदना की तत्पश्चात सभी ने तीर्थ क्षेत्र की वंदना की। दोनों संघों की निर्विघ्न आहारचर्या संपन्न करवाने का सौभाग्य भी भक्तों ने प्राप्त किया। माताजी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि - यह मिलन दो संघों का नहीं बल्कि एक पुत्री का अपने पिता से मिलन है । जब भी कोई बेटी अपने पिता से मिलती है तो उसके हर्ष का पारावार नहीं रहता ठीक उसी प्रकार की खुशी आज मुझे हो रही है। आज हम सभी संतों को देखकर सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए कि हम अलग-अलग प्रांतों से आये। सभी ने अपने घर - परिवार का त्याग किया लेकिन सभी संत आपस में मन से एक-दूसरे से जुड़े हैं। लेकिन आप सगे भाई - भाई , भाई-बहिन, पिता - पुत्र एक घर में एक छत के नीचे नहीं रह पा रहे।

जीना इसी का नाम है...

मानव मिलन संस्थान, जयपुर, राजस्थान
''सेवा ही हमारा संकल्प है''

जयपुर का एक समर्पित सेवा भावी संगठन

हमारे बारे में: मानव मिलन संस्थान, जयपुर- एक ऐसा परिवार, जो पिछले 11 वर्षों से बिना किसी स्वार्थ के मानवता, करुणा और मूक प्राणियों की सेवा में निष्ठा से जुटा हुआ है। लगभग 350 सेवा-समर्पित साथी इस परिवार का हिस्सा हैं, जिनकी उदारता, समय और संसाधनों से यह सेवायात्रा सतत गतिमान है। हमारा मानना है सेवा सिर्फ कर्म नहीं, एक उपासना है,एक सर्वोच्च मानवीय भावना है और इसी भावना से हम निम्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं:

1. **अन्न एवं जल सेवा:** भूख से तड़पते पेट को भोजन और प्यासे कंठ को शुद्ध जल देना यही सबसे बड़ा धर्म है। भूखे को अन्न, प्यासे को जल, यही सच्ची सेवा है।
2. **वस्त्र सेवा:** जरूरतमंदों को नए एवं स्वच्छ कपड़े देकर उनके आत्मसम्मान की रक्षा करना।
3. **ज्ञान सेवा:** सरकारी विद्यालयों में कमरे, टॉयलेट, पीने का पानी, पौधारोपण, पठन सामग्री, स्कूल ड्रेस, स्वेटर, जूते, फल व पौष्टिक नाश्ता आदि प्रदान कर शिक्षा को गरिमा देना।
4. **औषधि सेवा:** गरीब और जरूरतमंद रोगियों के लिए दवाओं एवं इलाज की व्यवस्था।
5. **दिव्यांग सेवा:** कृत्रिम हाथ-पैर, ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैशाखी और आर्थिक सहायता के माध्यम से दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाना।
6. **गौ सेवा:** गौमाताओं को कत्लखानों से बचाकर आश्रय देना और सेवा करना-गौसेवा ही गोविन्द सेवा है।
7. **जीव दया:** घायल पक्षियों, आवारा कुत्तों, गायों एवं अन्य मूक प्राणियों की सेवा। गर्मी में परिंडे बांटना, चींटियों को आहार देना-हर जीव में भगवान का वास है।
8. **वृद्ध सेवा:** वृद्धाश्रमों में जाकर बुजुर्गों को समय, स्नेह व पोषण प्रदान करना-बुजुर्गों का आशीर्वाद ही सबसे बड़ा पुण्य है।
9. **कुष्ठ सेवा:** कोढ़ग्रस्त लोगों के लिए राशन, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं देकर उन्हें समाज से जोड़ना।
10. **अनाथ बच्चों की सेवा:** अनाथ बच्चों को पोषण, शिक्षा एवं आवश्यक संसाधन देकर उन्हें बेहतर भविष्य देना।
11. **मनोरोगी सेवा:** मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों की देखभाल कर रहे संस्थानों को आवश्यक मदद प्रदान करना।
12. **त्वरित सहायता:** आपदा या आपात स्थिति में जरूरतमंदों तक तुरंत सहायता पहुंचाना।
13. **पर्यावरण सेवा:** प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने हेतु हर वर्ष कम से कम 200 पेड़-पौधों का रोपण।
14. **राष्ट्र सेवा:** देश के रक्षक सैनिकों के लिए जरूरत के समय योगदान देना-सेवा राष्ट्र की, सच्ची पूजा यही।
15. **संत सेवा:** संत-महात्माओं की सेवा को सौभाग्य समझते हुए तन-मन-धन से तत्पर रहना।

हमारा लक्ष्य

समाज में निःस्वार्थ सेवा और सभी जीवों के प्रति करुणा की भावना को प्रोत्साहित करना। आइए, हम सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं जहां भूख न हो, पीड़ा न हो, और हर प्राणी को स्नेह मिले। आपका एक छोटा सा सहयोग, किसी की पूरी दुनिया बदल सकता है। संपर्क करें और मानव सेवा की इस पावन यात्रा का हिस्सा बनें।

मानव मिलन संस्थान, जयपुर, राजस्थान
प्रमोद चौरडिया-संस्थापक अध्यक्ष
विनय लोढ़ा-महामंत्री
संगीता लोढ़ा-अध्यक्षा (लेडिज विंग)
मधु डागा-मंत्री (लेडिज विंग)

रेलवे स्टेशन सीकर पर भारत स्काउट गाइड सदस्य द्वारा जल सेवा प्रारंभ

ग्रीष्मकाल के तपस्वी हैं भारत स्काउट गाइड सदस्य : बगड़िया

राजकुमार शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। राजस्थान राज्यपाल स्काउट गाइड के सदस्यो द्वारा जिले भर में विभिन्न स्थानों पर जल सेवाएं की जा रही है इसी कड़ी में आज से राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सीकर के तत्वावधान में विभिन्न भामाशाहों के सहयोग से आज 20 मई से रेलवे स्टेशन सीकर पर रामचंद्र सिंह बगड़िया अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी एवं स्काउट कमिश्नर, राकेश गढ़वाल सहायक निदेशक समसा कार्यालय सीकर, रवि कांत चोवला स्टेशन अधीक्षक सीकर, बसंत कुमार लाटा सीओ स्काउट सीकर ने बालिकाओं को रसना पिलाकर जल सेवा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर रामचंद्र बगड़िया अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी कहा कि ग्रीष्मकल के तपस्वी है भारतीय सदस्य तपती धूप में लगातार विगत 41 वर्षों से रेलवे स्टेशन पर पानी पिला रहे हैं जिनकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। राकेश गढ़वाल सहायक निदेशक समझने कहा कि स्वर्गीय डॉक्टर चिरंजीलाल लाटा द्वारा जल सेवा का बोया हुआ बीज आज भी फलीभूत हो रहा है जब भी जल सेवा होती है उनके सेवा भावी जीवन काल की याद ताजा हो जाती है। उनके दोनों पुत्र अपने परिवार से सेवा में लगे हुए हैं जो की अनुकरणीय हैं। सभी स्काउट गाइड सदस्य अपने सामर्थ्य के अनुसार अधिक से अधिक जल सेवाएं करें। हरिओम लाटा राज्य पुरस्कार प्राप्त स्काउट एवं जल सेवा संयोजक ने बताया कि जल सेवा 20 मई से 30 जून तक प्रतिदिन 11:00 बजे से 4:00 बजे तक संचालित की जाएगी और बर्फ का ठंडा पानी के साथ-साथ भामाशाहों के सहयोग से रसना ,नींबू की शिकंजी वह अन्य ठंडा पेय पदार्थ भी मौके मौके पर पिलाया जाएगा। आज रसना पिलाने का कार्य पवन कुमार शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झीगर छोटी एवं श्रीमती बबीता शर्मा गाइड कैप्टन पन्नालाल चितलागिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर के आर्थिक सहयोग से रेल यात्रियों को पिलाई गई। इस अवसर पर प्रियंका कुमारी सी ओ गाइड जल सेवा शिविर के सह संयोजक महेंद्र कुमार पारीक, मनोहर लाल, देवी लाल जाट, पुरुषोत्तम शर्मा, सुवालाल कुमावत सचिव स्थानीय संघ थोई, मोहनलाल सुखाड़िया रोवर लीडर मरुधर ओपन रोवर क्रू जिला मुख्यालय सीकर, पवन कुमार शारीरिक शिक्षक, लखन बावरिया सीनियर रोवर मेट, जितेंद्र रोवर, दिनेश सैनी रोवर,नवीन सेन, गौरव शर्मा राज्य पुरस्कार स्काउट श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर, मैं शानदार सेवाएं प्रदान की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

महासमिति कीर्ति नगर इकाई में ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति कीर्ति नगर इकाई द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर में आज महासमिति राजस्थान अंचल एवं पश्चिम संभाग से महावीर जैन बाकलीवाल महामंत्री, निर्मल कुमार संघी संभाग अध्यक्ष, महेन्द्र कुमार छाबडा मंत्री, मनोज गोधा कोषाध्यक्ष, डॉ. बी.सी. जैन मुख्य संयोजक निरीक्षण के लिये पधारे। शिविर संयोजक रमेश चन्द पाटनी द्वारा सभी कक्षाओं को अवलोकन करवाया गया। भाग चन्द जैन अध्यक्ष, राजकुमार जैन मंत्री ने बताया कि शिविर में संस्कार सरोवर भाग प्रथम, संस्कार सरोवर भाग द्वितीय, संस्कार सरोवर भाग तृतीय, भक्तामर, छहढाला, एवं तत्वार्थ सूत्र की धार्मिक शिक्षा समाज की महिलाएं श्रीमती प्रतिभा जैन गोधा, श्रीमती अनिता बैद, श्रीमती आशा लुहाडिया, श्रीमती पूनम तिलक, श्रीमती आशा बजाज, श्रीमती अनिता छाबडा एवं श्रीमती प्रीति पाटनी द्वारा दी जा रही है। शिविर में 7 शिक्षिकाओं द्वारा 85 शिविरार्थियों को धार्मिक शिक्षा दी जा रही है। आज मूर्तिकला कॉलोनी निवासी महेन्द्र कुमार छाबडा द्वारा जन्मदिन के अवसर पर शिविरार्थियों को अल्पाहार कराया गया।

अवतरण दिवस मई 24 पर विशेष

16 भाषाओं के ज्ञाता, 30000 से अधिक संस्कृत/प्राकृत श्लोक रचियता मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी

जयपुर में वर्ष 2025 का चातुर्मास प्रस्तावित

अपनी विद्वत्ता और तप के लिए पहचाने जाने वाले मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज एक प्रख्यात दिगम्बर जैन संत हैं।मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज संस्कृत, प्राकृत सहित विभिन्न आधुनिक भाषाओंहिन्दी, मराठी और कन्नड़ सहित 16 भाषाओं का ज्ञान रखते हैं।उन्होंने लगभग 30,000 श्लोक प्रमाण संस्कृत ,प्राकृत में रचना कर चुके है ।उनके कार्य में आदि कित्तनं ,जिन शासन सहस्त्राम हित मणिमाला शामिल हैं।उन्होंने 170 से अधिक कृतियों की रचना की है।मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज कई धार्मिक कार्यों में प्रेरणास्रोत रहे हैं। अभी हाल ही में इंदौर में आयोजित ऐतिहासिक पट्टाचार्य प्रतिष्ठा महोत्सव में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका से कोई अनभिज्ञ नहीं है।यह सब इनके गुरु के प्रति श्रद्धा व चरम वात्सल्य का परिचायक है ।

जैन ग्रंथों को ताड़ पत्र पर लिखवाना

दिगंबर जैन मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज चातुर्मासिक प्रवचन से धर्म और संस्कारों की सीख देने के साथ-साथ जैन ग्रंथों को ताड़ पत्र पर लिखवाकर उनको आने वाली पीढ़ी के लिए सहजने का भी काम कर रहे हैं।उनका मानना है कि सामान्य कागज और स्याही अधिकतम 100 से 200 साल में खराब हो जाते हैं लेकिन ताड़ पत्र लिखा हुआ हजारों सालों तक खराब नहीं होता।इसलिए ये ग्रंथ ताड़ पत्र परलिखे जा रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए हजारों-हजारों साल तक ग्रंथ सुरक्षित रह सके। क्योंकि ग्रंथ हमेशा मार्गदर्शक होते हैं। मुनि श्री ने बताया कि ताड़ पत्र दक्षिण भारत के साथ ही श्रीलंका में बहुतायत में मिलते हैं। इन पत्तों पर लंबी-लंबी लाइने होती हैं। इस कारण इन पर अक्षरों को लिपिबद्ध कर सकते हैं। ताड़ पत्र पर मशीन के साथ-साथ हाथ से भी लिखा जाता है। अब तक कई ग्रंथ प्रिंट करवा चुके हैं।इनको पूरे देश में अलग-अलग जगह रखवा रहे हैं ताकि कोई भी व्यक्ति जब भी चाहे इनको देख और पढ़ सकते हैं। भीलवाड़ा , इंदौर , कोटा के चातुर्मास के दौरान उन्होंने कई ग्रंथों का प्रकाशन किया। एक ग्रंथ करीब 200 सीट पर लिखा गया।एक सीट करीब 2 किलो की है।पूरे ग्रंथ का वजन करीब 400 किलो है।कई ग्रंथों की अभी प्रीटिंग चल रही है।

25 वर्ष की उम्र में मुनि दीक्षा

इनका जन्म 24 मई 1986 को मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर में हुआ था। उन्होने गृहस्थ जीवन में बाल ब्रह्मचारी सन्मति भैया के रूप में एमबीए की पढ़ाई - गोल्ड मेडल के साथ करने के बाद ब्रह्मचर्य व्रत अंगीकार कर सांसारिक सुखों को त्याग दियाे आदित्य सागर जी महाराज जी को 08 नवम्बर 2011 में सागर में 25 वर्ष की आयु में आचार्य विशुद्ध सागर जी ने दीक्षा दी जो आचार्य विराग सागर जी के पट्टाचार्य है।

संस्कार, धर्म और अध्यात्म जरूरी

मुनिश्री बताते हैं कि जेनत्व सबसे प्राचीन है।इस आधुनिक युग में डिग्री जरूरी है लेकिन केवल डिग्रियों से कोई काम नहीं कर सकता। प्राचीनता में ही आनंद है।वर्तमान पीढ़ी पैसे की तरफ भाग रही है।पैसा कुछ हो सकता है लेकिन सब कुछ नहीं है।वर्तमान पीढ़ी पैसे के साथ-साथ संस्कार, धर्म और आध्यात्मिकता की ओर आती है तो उनका जीवन सार्थक हो सकेगा। इनका वात्सल्य पूर्ण व्यवहार जन जन को अपनी और खींच लेता है ।

जयपुर का सौभाग्य

यह गुलाबी नगरी जयपुर का सौभाग्य है की मुनि श्री का संघ (चार पिच्छी)सहित वर्ष 2025 का चातुर्मास जयपुर की हृदय स्थली टोंक रोड स्थित कीर्ति नगर मंदिर जी में होना संभावित है ।जहाँ से मधुबन, जनकपुरी, बरकतनगर, महेश नगर, बापूनगर, महावीर नगर आदि स्थानों का सीधा संबंध है। कीर्ति नगर के जगदीश जैन से प्राप्त जानकारी अनुसार संघ का 5 जून को कोटा से विहार होकर 22 जून को कीर्ति नगर में भव्य मंगल प्रवेश प्रस्तावित है ।

सादर चरण वंदन

पदम जैन बिलाला
अध्यक्ष , श्री दिगम्बर जैन मंदिर
जनकपुरी - ज्योतिनगर , जयपुर

अपनी जीभ' को 'तालु' से लगाने पर मिलेंगे गजब के फायदे, शीघ्र दिखने लगेगा लाभ

भारत ही नहीं बल्कि आज पूरे विश्व भर में एक्यूप्रेशर पद्धति का बोल बाला है । आज दवाइयों का सेवन करने से बेहतर लोग योग, प्राणायाम और ऐक्यूप्रेशर को अपनाने में फायदा समझते हैं और सही भी है आखिर दवाओं का सेवन हमारे शरीर को खराब करता है।इन दूसरे उपायों को अपनाने से हमारा शरीर और स्वास्थ्य अच्छा भी रहता है और शेष कई बीमारियाँ हमारे शरीर को छु कर भी नही निकाल पाती है। आज हम बात करने जा रहे हैं कुछ योग क्रियाओं के बारे में जिनको अपना कर आप कई बीमारियों से निजात पा सकेंगे । आज के अंक में हम बात करने जा रहे हैं एक खास योग क्रिया के बारे में जिसके बारे में

जानकर आपको हैरानी होगी की मात्र एक मिनिट से आपको 3 तरह के जबर्दस्त फायदे हो सकते हैं । जी हाँ आपको खुद के ,लिए सिर्फ 1 मिनिट का समय निकालना है और आप पायेगे की कुछ दिनों में ही आपके स्वास्थ्य में फर्क पड़ने लगा है और इसका असर आपके शरीर पर पड़ रहा है। आइये जानते हैं इस बारे में कुछ खास। आपको बहुत ज्यादा कुछ नही करना है आपको करना बस इतना सा है की आपको अपनी जीभ से अपने तालु को छूना है और फिर साँस लेनी है। जिन लोगो को रात में नींद नहीं आती यह उपाय करने से उनको अच्छी नींद आ जाएगी। ऐसे साँस लेते हुए आपको थोड़ा अजीब लगेगा पर विश्वास करें इस व्यायाम से बहुत लाभ मिलेगा। इसका

यह शरीर के तनाव से छुटकारा पाने और आराम करने के लिए मदद करता है...

शक्तिशाली प्रभाव सीधा आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा। इसको करने का तरीका, अपनी जीभ की नोक से अपने तालु को छुए और ऐसे ही साँस लें। फिर अच्छी तरह से अपने फेफड़ों की साँस को बाहर निकालें। अपनी नाक से साँस लें फिर चार तक गिने फिर अपनी साँस रोक लें सात तक गिने। एक लंबी साँस ले और अपना मुह साँस से फुला लें फिर आठ की गनती तक मुह से सीटी की आवाज निकालें। इस प्रक्रिया को चार बार दोहराएं।

* इस प्रक्रिया को रोजाना दो तीन महीनों तक लगातार किया जाए तो शरीरिक क्रिया विज्ञान की मदद से आपको बहुत से महत्वपूर्ण बदलाव देखनें को मिलेंगे।

* यह शरीर के तनाव से छुटकारा पाने और आराम करने के लिए मदद करता है।

* बता दे कि यह आपके पाचनतंत्र को ठीक करता है और हृदय की धड़कनो को कम करता है।इसके साथ ही आपके रक्तचाप को भी धीमा करता है।

* गौरतलब है, कि यदि आपको रात को सोने में परेशानी होती है, तो ये तरीका जरूर अपनाएं।

* इसके इलावा इस व्यायाम के लिए आपको किसी भी दवाई की जरूरत नहीं पड़ेगी. इस व्यायाम के लिए बस आपको अपनी जीभ और अच्छे से साँस लेने की योग्यता आनी चाहिए।

*यह अदभुत तरीका जापान के डॉ.एंड्रीयू वैल के द्वारा खोजा गया है।यह आसान-सा तरीका आपके नाड़ी तंत्र को प्राकृतिक तरीके से ठीक करने मे मदद करता है।

डा पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी
शासन सचिवालय जयपुर।
9828011871

अंतर मंतर जंतर जू-खेल खेल में बच्चे हो रहे संस्कारित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योति नगर में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर के छटे दिन छ क्लास में एक सो से अधिक छात्रों ने अध्ययन किया। मन्दिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि विदुषियों द्वारा नमोकार व जे के जैन द्वारा मंगल प्रार्थना के बाद दीप प्रज्वलन सुधीर पुनीत अजमेरा परिवार द्वारा किया गया। इधर जिनालय में शिविर में बाल संस्कार की क्लास में विदुषी देवांशी बच्चों को खेल खेल में धर्म के संस्कार रिदम/ कविता /योग आदि के माध्यम से बच्चों के साथ ही बैठ कर तन्मयता से सीखा रही है । बच्चों की ही शाम की क्लास में रत्न त्रय व षट् द्रव्य समझाये गए तथा अलोकाकाश का चित्र बनाकर लोक समझाये गये। सभी शिविरार्थियों के 27 मई को सुबह एग्जाम होंगे।

भारतीय सेना के सम्मान में धामनोद उतरा मैदान में

ऑपरेशन सिंदूर एवं सेना के प्रति आभार हेतु तिरंगा यात्रा का आयोजन

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

धामनोद। 22 अप्रैल को पहलगाम में निर्दोष 26 हिंदुओं की धर्म पूछ कर हत्या के बदले में भारत सरकार व तीनों सेनाओं द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान के 9 आतंकवादी शिविरों एवं आतंकियों को नष्ट कर दिया। हमारी सेना ने साहस और पराक्रम से दुश्मनों को करारा जवाब दिया, और पूरे देश ने एकजुट रहकर माँ भारती का मान बढ़ाया। ऑपरेशन सिंदूर की गौरवपूर्ण सफलता और भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य के उपलक्ष्य में धामनोद नगर में बुधवार 21 मई 2025 शाम 4 बजे देशभक्त नागरिकों द्वारा जनता जिन परिसर से श्रीराम चौक महेश्वर फाटा होते हुए पुराने बस स्टैंड तक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया जिसका जगह जगह पुष्पवर्षा इत्यादि से भव्य स्वागत हुआ। जिसमें नगर एवं क्षेत्र के सर्वसमाज के आमजन, व्यापारीगण, बड़ी संख्या में मातृशक्ति बच्चे, विभिन्न सामाजिक संगठनों, नगर व्यापारी संघ, लायंस क्लब, भारत विकास परिषद, रोटरी क्लब, अन्नपूर्णा संस्था, पत्रकारगण, विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं सहित अनेकानेक संगठनों एवं समाजसेवकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया। यात्रा के आगे डीजे पर देशभक्ति के गीत भारत माता की जय, वन्दे मातरम के गगनभेदी नारे लगते हुए नाचते गाते चल रहे थे। रैली के दौरान सबके हाथ में तिरंगा, हर चेहरे पर गर्व और उत्साह देखने लायक था। बग्घी में भारत माता की झांकी एवं घोड़े पर झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के वेश में कन्याए बड़ी आकर्षक लग रही थी। पुराना बस स्टैंड पर राजेश पारिक, विजय नामदेव एवं मनोज नाहर ने ऑपरेशन सिंदूर पर संबोधित किया । वर्तमान एवं पूर्व सैनिकों द्वारा भारत माता की आरती एवं राष्ट्रगान के साथ तिरंगा यात्रा का समापन हुआ। अंत में सभी का आभार प्रदर्शन राकेश पटेल द्वारा किया गया।

श्री मनोहर झांझरी राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत हुए

राजेश जैन दद्दू

इंदौर। जुझारू और कर्मठ, सहज व सरल व्यक्तित्व इंदौर जैन समाज के रत्न मनोहर झांझरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत होने पर जैन समाज ने हर्ष व्यक्त करते हुए दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ जैनेन्द्र जैन महावीर ट्रस्ट के युवा अध्यक्ष अमित कासलीवाल सुशील पांड्या हंसमुख गांधी टीके वेद सुभाष काला भुपेंद्र जैन आदि समाज जन ने बहुत बहुत बधाई दी। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि झांझरी साहब फेडरेशन के ऐसे सिपाही हैं कि वे किसी महत्वपूर्ण पद पर न रहते हुए भी जब भी मिलते थे, अथवा टेलीफोनिक वार्ता करते तो नए ग्रुप खोलने व निष्क्रिय ग्रुपों को सक्रिय करने हेतु प्रेरित किया करते थे। उनमें फेडरेशन की प्रगति के प्रति जो आसक्ति थी वह वास्तव में सदैव प्रेरणास्पद है। किन्तु झांझरी साहब सदैव ही फेडरेशन के प्रति अपनी निष्ठा प्राथमिकता पर रखते रहे हैं। कोर कमिटी की शिरोमणि संरक्षिका पुष्पा कासलीवाल की पारखी नजर उनकी अनुकरणीय सेवाओं पर पड़ी, और मनोहर झांझरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की।